शुक्रवार
10 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

पानी के बिना भी बर्तन धो सकते हैं, 2 मिनट में चमकेंगे

पृष्ठ 5

आर्या मेरा बेस्ट काम नहीं है, अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है: सुष्मिता सेन

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 269
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चाहे गुरु पर हो या ईश्वर पर, श्रद्धा अवश्य रखनी चाहिए। क्यों कि बिना श्रद्धा के सब बातें व्यर्थ होती हैं।

– समर्थ रामदास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जब तक आप है सीमाएं सुरक्षित: शाह

❑ गृहमंत्री शाह ने आईटीबीपी के शौर्य की सराहना की

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में आज आईटीबीपी का 62वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आयोजित रैतिक परेड की सलामी ली तथा शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होने उत्कृष्ट सेवा के लिए सुरक्षा बल कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और ट्राफियां भी प्रदान की।

इस अवसर पर गृहमंत्री ने आईटीबीपी व हिमवीरों के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि जब भी भारत-चीन सीमा पर तनाव की कोई खबर आती है तो मैं निश्चिंत होकर सो जाता हूं। क्योंकि मुझे पता है कि जब

❑स्थापना दिवस पर ली रैतिक परेड की सलामी
❑मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी रहे मौजूद

तक आप है तब तक हमारी सीमाओं को कोई छू भी नहीं सकता है। उन्होने कहा कि हमारे देश की 3488 किलोमीटर लम्बी इन सीमाओ की सुरक्षा की जिम्मेदारी आप किन कठिन स्थिति और परिस्थितियों में निभाते है इस बात से हमें गर्व महसूस होता है। उन्होने कहा कि हमारे उन हिमवीरों की ही हिम्मत है जो 19000 मीटर ऊंचाई पर माइनस 19 डिग्री के तापमान में भी किस दृढ़ता से सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते है उसके पराक्रम की कोई पराकाष्ठा नहीं है, उनकी जितनी भी तारीफ की जाये कम है।

उन्होने कहा कि शौर्य, दृढ़ता और कर्म निष्ठा के भाव के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते है उसको शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। गृहमंत्री ने उनके बल में नई भर्तियों और उसके विस्तारीकरण की जानकारी देते हुए बताया कि इससे आपका कार्यभार कुछ हल्का और आसान होगा। गृहमंत्री ने आईटीबीपी में महिलाओं के योगदान की भी प्रशंसा की।

इससे पूर्व आईटीबीपी के अधिकारियों ने अपने उन तमाम कामों का जिक्र भी किया जो अति सराहनीय रहे। उन्होने

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम डकैती कांड

मोटरसाईकिलें सडक पर छोड फरार हुए बदमाश, दोनों बाईक मेरठ नम्बर की

संवाददाता

देहरादून। रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में करोडों की डकैती डालने वाले बदमाश मोटरसाईकिलों को सडक पर ही छोडकर फरार हो गये। जबकि मिली मोटरसाईकिलें मेरठ नम्बर की हैं। पुलिस हर पहलु से घटना की जांच में जुट गयी हैं।

उल्लेखनीय है कि गत दिवस सुबह साढे दस बजे दिनदहाडे मुख्य राजपुर रोड पुलिस मुख्यालय व सचिवालय से चंद कदमों की दूरी पर स्थित रिलायंस ज्वैलरी शोरूम पर हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोल दिया था। जबकि शहर मे चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात थी। लेकिन बेखौफ बदमाशों ने आधे घंटे में शोरूम को खाली कर दिया और लगभग बीस करोड रूपये के जेवरात लेकर फरार हो गये। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद कर्मचारियों से पूछताछ की और एसओजी व अन्य टीमों को घटना के खुलासे के लिए लगा दिया। शहर के सीसीटीवी कैमरों को

खंगालने के बाद पुलिस को दो संदिग्ध मोटरसाईकिले दिखायी दी जो कि डोईवाला की तरफ जा रही थी। एसएसपी के आदेश पर एक टीम को डोईवाला व उसके आगे के रास्तों को जांचने के भेजा गया तो पुलिस टीम को एक मोटरसाईकिल रायवाला में सडक किनारे लावारिस हालत में पडी मिली तथा एक मोटरसाईकिल रायवाला से थोडी पहले सडक किनारे खडी मिली। पुलिस बदमाशों के हरिद्वार पहुंचने का इंतजार कर रही थी लेकिन बदमाश इतने शातिर निकले कि उन्होंने हरिद्वार से पहले ही मोटरसाईकिलों को त्याग दिया और किसी अन्य वाहन से अपने गंतव्य की ओर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

डिवाइटर से टकराई बीएमडब्ल्यू कार, रेलिंग हुई आर-पार

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर में बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज की दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा गांधीनगर में 8-लेन हाईवे पर हुई। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बीएमडब्ल्यू ड्राइवर ने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कार दौड़ाई, जिसके बाद कार रेलिंग से टकरा गई, डिवाइडर कार के आर-पार हो गई। हादसे का खौफनाक वीडियो भी सामने आया है। बीएमडब्ल्यू राजमार्ग रेलिंग से टकरा गया, जिससे वाहन को काफी नुकसान हुआ। घटना के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फुटेज में बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज के बीच घुसे रेलिंग को देखा जा सकता है। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए है। टक्कर इतनी तेज थी कि रेलिंग ने बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया और इसने कार को ऐसे काटा जैसे गर्म चाकू मक्खन को काटता है। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इस बात की पूरी संभावना है कि गाड़ी में सिर्फ ड्राइवर ही मौजूद था।

'लोगों को प्रदूषण की वजह से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं पर चिंता जताने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को केजरीवाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि हमारे हस्तक्षेप के बाद ही हर साल तेजी आती है। इस मौके पर अदालत ने ये स्पष्ट किया कि लोगों को प्रदूषण की वजह से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ उपायों को ग्राउंड लेवल पर लागू करना चाहते हैं। जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि पराली जलाने की एक बड़ी वजह पंजाब में धान की खास किस्म की खेती होना है। किसानों को दूसरी फसलों के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। फिर भी

❑प्रदूषण कम होना ही चाहिए, कैसे कम होगा ये राज्य सरकारें तय करें:सुप्रीम कोर्ट

पराली जलाने पर रोक जरूरी है। बढ़ते प्रदूषण में पराली जलाने की भूमिका पर एमिकस अपराजिता सिंह ने कहा कि फसल अवशेष जलाने से कुल प्रदूषण में 24% योगदान होता है, जबकि कोयला और फ्लाई ऐश 17% प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। वहीं, कुल प्रदूषण का 16% वाहनों से फैलता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, शहर कोई प्रदूषण के स्रोतों के बारे में जानता है, वे (सरकारें) कोर्ट के हस्तक्षेप का इंतजार कर रहे हैं। हमारे पास हर समस्या का समाधान है, लेकिन कोई कुछ नहीं कर रहा है। अदालत खुद कहती है कि हम नतीजे चाहते हैं। हम विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन हम समाधान चाहते हैं।श्श सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम ये नही कह रहे है कि ये आसान मामला है। ये राज्य सरकारों को करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या आप चाहते हैं कि ये आदेश हम पारित कर दें कि सभी राज्य सरकार के अधिकारी बिना मास्क के काम करें। तभी आम जनता के स्वास्थ्य के बारे में इनको पता चलेगा। कोर्ट ने पंजाब सरकार को कहा कि आप कोर्ट के आदेश लागू करें।

दून वैली मेल

संपादकीय

वायु प्रदूषण बड़ी समस्या

भले ही हर साल दिल्ली एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या को लेकर अधिक चर्चा होती हो लेकिन प्रदूषण पूरे देश के लिए एक अति गंभीर समस्या बनता जा रहा है। खासतौर पर देश के तमाम बड़े शहरों में प्रदूषण की यह समस्या अब जानलेवा स्तर पर जा पहुंची है इसलिए प्रदूषण की इस समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने जो चिंता जताई है उसे बेवजह नहीं माना जा सकता है। देश की राजधानी प्रदूषण की मार से सर्वाधिक प्रभावित है। पराली जलाने पर रोक से लेकर दिल्ली सरकार द्वारा ईजाद किया गया आड ई वन का फार्मूला भी बेनतीजा साबित हो चुका है ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि हम लोगों को मरने के लिए नहीं छोड़ सकते तो इस बात पर गहन मंथन किया ही जाना चाहिए कि इस बढ़ते वायु प्रदूषण के अहम कारक क्या है। क्या पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है? न्यायालय दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में पराली जलाने पर सख्त प्रतिबंधों की पैरवी जरूर की है लेकिन इस पराली जलाने से ज्यादा प्रदूषण कारों और अन्य वाहनों से फैलता है इस सच को न तो कोई स्वीकार करने को तैयार है और न इस पर चर्चा के लिए। भारत में वायु प्रदूषण बढ़ने की दूसरी बड़ी वजह थर्मल पावर प्लांट है। ग्रीन पीस की रिपोर्ट के अनुसार कोयला आधारित इन थर्मल प्लांट द्वारा उत्सर्जन मानकों का अनुपालन ठीक से किया जाए तो सल्फर डाइऑक्साइड के लेवल में 48 फीसदी और नाइट्रोजन ऑक्साइड के स्तर में 48 फीसदी और पीएम के स्तर पर 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती है। अब सवाल यह है कि आप कार की सवारी भी नहीं छोड़ सकते हैं और बिजली के बिना भी कुछ घंटे नहीं रह सकते ऐसी स्थिति में फिर आपको चावल खाना ही छोड़ना पड़ेगा या फिर खुद और अपने बच्चों को प्रदूषण जनित बीमारियों से मरने के लिए तैयार रहना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार बीते साल देश में 1.16 लाख बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई जिन में 50 फीसदी मौतें पीएम 2.5 के कारण यानी माइक्रो से काम आकर के कणों के कारण हुई। इस बढ़ते वायु प्रदूषण का सबसे अधिक असर बुजुर्ग और दमा रोगियों या फिर बच्चों पर हो रहा है। अब बात आती है इस समस्या को लेकर हम और हमारा समाज कितना जागरूक है। जब भी ईद और दिवाली जैसे त्योहार आते हैं तब पटाखे और आतिशबाजी के बिना हम नहीं रह पाते हैं न जाने क्यों लोगों को पटाखों के बिना यह त्यौहार त्यौहार नहीं लगता। हर साल की तरह इस साल भी दीपावली से पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी राज्यों से पटाखों पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया है लेकिन यकीन मानिए इस बार दिवाली पर बीते साल से भी ज्यादा पटाखे फोड़े जाएंगे खास बात यह है कि यह पटाखे बच्चों द्वारा कम युवा और वयस्कों व बूढ़ों द्वारा अधिक पटाखे फोड़े जाते हैं। भले ही सुप्रीम कोर्ट का यह कहना हो कि प्रदूषण की रोकथाम करने की जिम्मेदारी सिर्फ अदालतों की नहीं है। समाज के हर आदमी को अपनी जिम्मेवारी समझनी चाहिए मगर अभी हम इतने समझदार कब होंगे इसका पता नहीं है पर्यावरण सुरक्षा और प्रदूषण की रोकथाम के लिए तमाम नियम और कानून तथा जन जागरूकता कार्यक्रमों के बावजूद हम अपने आप में अगर कोई सुधार करने को तैयार नहीं है तो हमें इस समस्या से कोई भी मुक्ति नहीं दिला सकता है।

श्रीयंत्र टापू के शहीदों को नेताजी संघर्ष समिति ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने श्रीयंत्र टापू में शहीदो को श्रद्धांजलि देकर उनको याद किया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति प्रभात डंडरियाल व आरिफ वारसी ने बताया कि आज ही के दिन 10 नवम्बर 1995 को श्रीयंत्र टापू में आंदोलनकारी शहीद हुए थे। उन्होंने बताया कि इस कांड में राजेश रावत व यशोधर बेंजवाल शहीद हुए थे।

उन्होंने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि राज्य का चौमुखी विकास हो तथा सभी सकुशल रहे भाईचारा बना रहे। इससे पहले समिति के कार्यकर्ताओं ने कचहरी परिसर स्थित शहीद स्मारक में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दे श्रद्धा सुमन अर्पित किये। श्रीयंत्र टापू के शहीदों को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, सुशील विरमानी, अनुराग भट्ट, सुरेश कुमार, अनुज सिंगल, संदीप गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

यदि मे सख्यमावर इमस्य पाह्यन्धसः।
येन विश्वा अति द्विषो अतारिम॥

(ऋग्वेद ८-१३-२१)

हे परमेश्वर ! यदि आपने मेरी मित्रता भली प्रकार स्वीकार कर ली है, तो अज्ञानता के अंधकार में डूबे संसार का भी कल्याण करो। हमारे सकारात्मक सोम की शक्तियों का रक्षण करो, जिससे कि हम अपने शत्रु काम, क्रोध, लोभ, मोह, द्वेष आदि को पराजित कर सकें।

जो किया उस पर बधाई, जो नहीं किया उसका क्या ?

❑23 साल में भी नहीं मिला न्याय, न एक अदद स्थायी राजधानी ❑नहीं बना भू कानून सशक्त, न ही बनी पहाड़ के विकास की नीति

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य अब 23 साल का युवा राज्य हो चुका है। 23 साल का समय कम नहीं होता है कुछ भी करने के लिए। कल जब मुख्यमंत्री धामी राज्य स्थापना दिवस पर उत्तराखण्ड को आंदोलनकारियों के सपनो का राज्य बनाने की बात कह रहे थे तब हर किसी के मन में यह सवाल रहा था कि आखिर कब? 23 सालों में उत्तराखण्ड को आंदोलनकारियों के सपनों का राज्य क्यों नहीं बनाया जा सका?

राज्य गठन को 23 साल हो चुके है उत्तराखण्ड की सरकारें अभी तक मुजफ्फरनगर गोलीकांड के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं दिला सकी है। राज्य गठन के बाद राज्य में जिस तरह से भूमि घोटाले हुए और जमीनों की लूट खसोट हुई उसे रोकने के लिए राज्य की सरकारें आज तक एक ऐसा सशक्त भू कानून तो ला नहीं सकी जैसा हिमाचल में है। राज्य बनने के बाद राज्य के लोग रोजगार मिलने की उम्मीद लगाये बैठे थे जिससे उन्हे रोजगार के लिए अपना घर बार छोड़कर पलायन न करना पड़े लेकिन राज्य की सरकारी नौकरियों की लूटपाट को रोकने के इंतजाम तक कोई सरकार नहीं कर सकी। जिन संस्थाओं पर निष्पक्ष भर्तियों की जिम्मेदारी थी वह भ्रष्टाचार का अड्डा बन गयी। अब तक की सरकारों ने पहाड़ के विकास के लिए न कोई अलग से नीति बनायी है और न हिमालय के विकास के लिए कोई अलग प्राधिकरण बनाया है। तथा न पर्यावरण सुरक्षा की कोई नीति। नतीजन पूरा पहाड़ भू धसाव और भूस्खनल की मार झेल रहा है। राज्य गठन के बाद जंगल और पेड़ो का जिस तरह से अवैध और अंधाधूंध कटान हुआ है और हो रहा है उसने उत्तराखण्ड को कंक्रीट का जंगल में तब्दील कर दिया है। पर्यावरण नीति के अभाव में राज्य का पर्यावरण तेजी से बिगड़ रहा है। स्वरोजगार की कोई नीति नहीं है तथा पहाड़ पर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं इस कदर बदहाल है कि अभी भी लोग गांवों को छोड़कर शहरों और मैदान की ओर भाग रहे है। गांव निर्जन हो रहे है तो स्कूलों में ताले पड़ते जा रहे है। बंदर और सुअरों से कृषि की सुरक्षा नहीं हो पा रही है और वन्य जीवों के हमलों से आम आदमी की जान पर बनी हुई है। राज्य में छोटी प्रशासनिक इकाईयों का सपना अभी भी सपना ही बना हुआ है।

कल मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनांए जरूर दी लेकिन प्रदेश वासियों के जहन में ऐसे अनेक सवाल थे जो उन्हे मथ रहे थे। इसी दौरान सोशल मीडिया पर डेस्टीनेशन उत्तराखण्ड भी खूब ट्रेंड कर रहा था। राजधानी दून में दिन दहाड़े राजपुर रोड पर एक ज्वैलरी शाप में 20 करोड़ की डकैती हो गयी। जो राज्य के 23 साल के इतिहास में सबसे बड़ी डकैती बतायी जा रही है। पुलिस मुख्यालय व सचिवालय से चंद कदम की दूरी पर हुई यह डकैती की घटना राज्य की कानून व्यवस्था की कलई खोलने के लिए तो काफी है हीं साथ ही यह बताने के लिए भी काफी है कि डेस्टीनेशन उत्तराखण्ड कैसा डेस्टीनेशन बन चुका है। ऐसे में राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनांए बेमायने हो जाती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उन्होने अनेक काम ऐसे किये है जो राज्य में पहली बार हुए है। राज्य की सरकार को उन कामों के बारे मे भी गौर करने की जरूरत है जो राज्य गठन के 23 साल बाद भी नहीं हो सके है। राज्य को 23 सालों में एक अदद स्थायी राजधानी तक न मिल पाना और 23 साल बाद भी राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण का काम भी पूरा नहीं हो पाना और राज्य आंदोलनकारियों का अभी आंदोलित रहना चिंतनीय विषय है। जिन पर सरकार को गौर करने की जरूरत है।

सरकार विपक्षी दल के जनप्रतिनिधियों के साथ कर रही है सौतेला व्यवहारः माहरा

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने राज्य सरकार पर विपक्षी दल के चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी के माध्यम से जारी बयान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि प्रदेश सरकार निम्न स्तर की राजनीति पर उतर आई है, इसीलिए कभी विपक्षी दल के चुने हुए जनप्रतिनिधियों को साम-दाम-दंड-भेद की नीति से पदच्युत कर रही है तो कभी उनके निर्वाचित क्षेत्रों में विकास की योजनाओं पर रोक लगा कर सौतेला व्यवहार कर रही है।

उन्होने कहा कि किसी भी प्रदेश की चुनी हुई सरकार तथा उसके मुखिया के लिए सभी क्षेत्र एक समान होने चाहिए, परन्तु उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार विकास योजनाओं की स्वीकृति जारी करने से पहले देख रही है कि यहां पर भाजपा का जनप्रतिनिधि है या कांग्रेस या अन्य दल का तथा जिन निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्षी दल के जनप्रतिनिधि हैं उन क्षेत्रों में विकास की योजनाओं की स्वीकृति में आना-कानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है जब विकास का पैमाना सत्ताधारी दल का जनप्रतिनिधि होना अनिवार्य माना जा रहा है।

हत्या का खुलासा, पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने पांच लोगों गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की इस वारदात को शराब पीने के दौरान वीडियों बनाने को लेकर हुए विवाद के चलते अंजाम दी गयी थी।

जानकारी के अनुसार बीती 29 अक्टूबर को जमुना पंवार पत्नी नवीन पंवार निवासी थानो रोड़ कान्हारवाला डोईवाला हाल निवासी आवासीय कॉलोनी जिला अस्पताल गोपेश्वर द्वारा थाना गोपेश्वर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके पति नवीन पंवार को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जान से मारने की नीयत से उनपर हमला कर गंभीर रुप से घायल किया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। मामले में घायल व्यक्ति द्वारा अस्पताल में दम तोड़ दिया गया।

जिस पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। और साक्ष्य संकलन कर घटना में संलिप्त 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम हिमांशु पुत्र अशोक कुमार निवासी जीरो बैंड गोपेश्वर चमोली, राहुल कुमार पुत्र कैलाश चन्द्र निवासी कुण्ड कॉलोनी गोपेश्वर, कपिल पुत्र महिपाल निवासी बाल्मिकी कॉलोनी जीरो बैंड गोपेश्वर, ऋतिक चन्द्र पुत्र सतेन्द्र सिंह निवासी मलिरा थाना कोतवाली मुजफ्फरनगर हाल निवासी सचिन मोटर्स गोपेश्वर, सुमित कुमार पुत्र सुनील कुमार निवासी पेट्रोल पंप गोपेश्वर बताया। बताया कि दिनांक 24 अक्टूबर की रात को होटल में शराब पीने के दौरान मृतक नवीन पंवार द्वारा वीडियो बनाये जाने को लेकर आपसी विवाद हुआ था। मिलीभगत से मृतक को सबक सिखाने के उद्देश्य से एकराय होकर उन्होने मृतक नवीन पंवार के साथ मारपीट करनी शुरु कर दी जिसके डर से मृतक अपने को बचाते हुए फूड एंड ड्रग कार्यालय के परिसर में रात्रि में शौचालय के पास छुप गया व मृतक का पीछा करते हुए सिर पर लोहे के एंगल से वार किया गया। वार किए जाने के उपरांत मृतक को घायल अवस्था में छोड़ वापस आ गए। उसके उपरांत घायल अवस्था में नवीन पंवार निकलता हुआ दिखायी दिया जिस पर पुनः मारपीट की गयी जिससे वह दीवार से जा टकराया। जिसको मृत समझकर घटना को दुर्घटना दिखाए जाने के उद्देश्य से योजना बनायी गयी जिसे सेवायोजन कार्यालय के समीप टॉयलेट की छत पर डाल दिया गया व पूरे घटनाक्रम की रिकॉर्डिगं सेवायोजन कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। इस बीच घायल नवीन पंवार की जॉलीग्रांट हिमालयन हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी।

तुलसी है डैंड्रफ को रोकने की रामबाण औषधि

आज की हर महिला सुंदरता की आखिरी सीढ़ी को चुना चाहती है। हर महिला चाहती है कि उसके बाल डेंड्रफ फ्री और सुन्दर दिखाई दें। डेंड्रफ की समस्या किसी भी महिला को हो सकती हैं। यह प्रॉब्लम सिर की त्वचा में स्थित मृत कोशिकाओं के कारण पैदा होती है। बालों में डेंड्रफ होने से बाल बेजान हो जाते है। वातावरण का प्रदूषण, धूल-मिट्टी और सफाई में कमी बालों में डैंड्रफ को जन्म दती है। यह एक ऐसी समस्या है जो स्त्री, पुरुष और बच्चों में भी पाई जाती है। यह बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन के कारण होती है। मुसीबत तो तब होती है जब इसके कारण सिर की त्वचा काफी तेलीय हो जाती है और इसके कारण बाल भी गिरने लगते हैं। तुलसी का इस्तेमाल त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में काफी हद तक सहायक है। यह एक नेचुरल उपाय है ऐसे में किसी भी तरह के साइड-इफेक्ट का खतरा भी नहीं होता है। तुलसी को इसके के औषधीय गुणों के कारण यह सदियों से उपयोग में लाया जाता रहा है। तुलसी की पत्तियों और आंवला पावडर को पानी में मिक्स करके पेस्ट बना लें। सिर पर इस पेस्ट से मसाज़ करें। आधे घंटे तक लगा रहने दें। बाद में पानी से धो दें। तुलसी के उपयोग से डैंड्रफ से जल्दी ही छुटकारा मिल हटा है।

चम्मच मसाज से दें अपनी स्किन और चेहरे को नया ग्लो

खूबसूरत त्वचा पाना हर किसी की चाहत होती है इसके लिए अक्सर लोग कई तरह के मसाज का प्रयोग करते है। मसाज एक ऐसी थेरेपी है जिससे आप अपनी त्वचा के ग्लो को बनाए रख सकती है। आजकल मार्केट में कई तरह के मसाज थेरेपी उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से आप अपने चेहरे की चमक को बनाए रख सकती है। चम्मच मसाज से भी आप अपने चेहरे के ग्लो को बनाए रख सकती है। चम्मच मसाज के लिए आवश्यक: स्पून या चम्मच मसाज करने के लिए आपको एक बड़े चम्मच, एक गिलास पानी और कुछ बर्फ के टुकड़ों की जरूरत होती है। इसके अलावा आप एक छोटी कटोरी में कुछ मात्रा में नारियल का तेल या फिर जैतून का तेल ले लें। इसे हल्का गर्म कर लें। चम्मच मसाज का तरीका: चम्मच को हल्के दबाव के साथ पकड़ें। चम्मच को नीचे से ऊपर की ओर घुमाएं। गालों पर चम्मच को घुमावदार अंदाज में नीचे से ऊपर की ओर ले जाएं। आंखों के नीचे जब चम्मच घुमाएं तो बेहद सावधानी रखें, वरना आखों को चोट पहुंच सकती है। गर्दन और बैक साइड पर भी चम्मच से मसाज ले सकते हैं, इससे शरीर को काफी आराम मिलता है।

परफ्यूम में मिलाए जाने वाले केमिकल्स खुशबू के साथ होते है खतरनाक

एक अच्छे परफ्यूम की खुशबू सबके दिल को अपनी और आकर्षित कर लेती है। शादी-पार्टी के खास अवसर पर तैयार होने के बाद हम परफ्यूम का उपयोग जरूर करते हैं। यह आज के समय में हर रोज प्रयोग की जाने वाली एक अहम चीज बन गई है,लेकिन इसमें मिलाए जाने वाले केमिकल्स हमारे शरीर पर खतरनाक प्रभाव डाल सकते है।

केमिकल्सयुक्त परफ्यूम को लगाने से आप अस्थमा, ब्रेस्ट कैंसर, स्किन डिजीज एलर्जी या फिर दूसरी तरह की अन्य गंभीर खतरनाक बीमारी में जकड़ सकते है। इसमें मौजूद केमिकल्स हमारे शरीर के हार्मोन्स को अंसतुलित कर हार्मोन बैलेंस को डिस्टर्ब करने का काम करते है। जिससे स्तन कैंसर होने की समस्या बढ़ जाती है।

कैंसर: टेट्राक्लोरोहाइड्रेक्स एल्यूमिनियम जिरकोनियम एल्यूमिनियम क्लोरोहाईड्रेट परफ्यूम में मिले ये रसायनिक तत्व शरीर को बहुत ही ज्यादा नुकसान पहुंचाते है। एल्यूमिनियम जिसके वर्तन में खाना बनाने जहर का काम करता है उसमे भी यही तत्व पाए जाते हैं।

स्किन एलजी: सिलिका अथवा 'सिलिकॉन डाईऑक्साइड' सिलिकन और ऑक्सीजन से मिलकर बना होता है। सिलिका के साथ इसमें मिलाया जाने वाला टेल्क केमिकल्स शरीर में कैंसर के फैलाने का काम करता है।

स्किन डिजीज: ट्राइक्लोसन रसायनिक तत्व का उपयोग डियोड्रेंट्स या परफ्यूम को एंटीबैक्टीरियल युक्त बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग कई तरह के एंटीबैक्टीरियलयुक्त साबुनों को बनाने में भी किया जाता है।

शरीर की कई दिक्कतें दूर कर सकता है नींबू

नींबू का सेवन लोग सिर्फ हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए ही नहीं करते बल्कि लोगों को इसका खट्टा स्वाद भी बहुत पसंद होता है. अलग-अलग तरीकों से नींबू का सेवन किया जा सकता है. नींबू पानी तो हर दिल अजीज होता ही है वहीं इसके साथ ही नींबू के बिना सलाद, सांभर, खिचड़ी तक का स्वाद भी अधूरा लगता है. वहीं बहुत सारे लोग हैं जो काला नमक और जीरा पाउडर लगाकर नींबू चाटना पसंद करते हैं. आइए आपको बताते हैं कि कैसे सिर्फ एक नींबू आपको कई तरह की गंभीर बीमारियों से बचा सकता है.

पाचन की समस्या से मिलता है छुटकारा

आज की इस बिजी लाइफ में अधिकतर लोगों को पाचन से जुड़ी दिक्कतें होती रहती हैं. लेकिन जो लोग हल्के गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीते हैं उन्हें इस तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है.

हर सुबह दिन की शुरुआत इस पानी के साथ करने से पेट संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिलता है. साथ ही यह पानी वजन को भी कंट्रोल में रखता है. यह ड्रिंक शरीर से सभी टॉक्सिन्स बाहर निकालने का काम करती है. अगर आपको सिर्फ पानी और नींबू पीने में दिक्कत होती है तो आप इसमें स्वाद के अनुसार काला नमक मिला सकते हैं. इससे इस ड्रिंक का स्वाद भी बढ़ेगा और आपका पाचनतंत्र भी सही तरीके से काम करने लगेगा.

सर्दी-जुकाम से बचाता है

आपको जानकर हैरानी हो सकती है लेकिन कहते हैं कि हल्के गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर नियमित रूप से सेवन करने से कॉमन कोल्ड, सर्दी, खांसी और गले से संबंधित बीमारियां नहीं होती हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड गले में किसी तरह के संक्रमण को पनपने नहीं देता है.

किडनी को रखता है स्वस्थ

डॉक्टरों की मानें तो हर दिन सुबह के समय दो नींबू के रस का सेवन हल्के गुनगुने पानी में मिलाकर करने से किडनी स्टोन्स की समस्या नहीं होती है क्योंकि साइट्रिक एसिड शरीर में स्टोन्स को पनपने नहीं देता है. पथरी रोकने में नींबू का रस इसलिए इतना कारगर है क्योंकि यह स्टोन बनानेवाली कोशिकाओं को बढ़ने का अवसर ही नहीं देता है.

डिहाइड्रेशन से बचाता है

शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या होने पर बार-बार मुंह सूखने, बार-बार प्यास लगने और पानी पीते ही यूरिन आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इन सभी स्थितियों से बचाने में नींबू एक प्रभावी तरीका साबित हो सकता है. इसके लिए आप फलों की चाट, सब्जियों की चाट तैयार करके उसमें नींबू निचोड़कर खा सकते हैं. नियमित रूप से सुबह के समय नींबू का सेवन करना शरीर के लिए अच्छा होता है. स्प्राउट्स में नींबू निचोड़कर खाने से उसका स्वाद और अच्छा लगने लगता है. इससे डिहाइड्रेशन और मुंह में सूखेपन की समस्याओं से निजात मिलती है.

बढ़ते वजन को नियंत्रित करे

मोटापा कई तरह की बीमारियों का शिकार बना देता है. इनमें हाइपरटेंशन, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और अन्य कार्डियोवस्कुलर डिजीज भी शामिल हैं लेकिन आपको बता दें कि डॉक्टरों की मानें तो नियमित रूप से नींबू का सेवन करने से वजन कंट्रोल में रहता है और मोटापा भी नहीं होता.

लिपस्टिक है मेकअप का अहम हिस्सा

लिपस्टिक महिलाओं की मेकअप किट का एक बेहद अहम हिस्सा है। इससे चेहरे पर एक अलग ही निखार आ जाता है। अगर आप त्योहारों पर अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऑरेंज, ब्लैक और पर्पल रंग के लिपस्टिक का चुनाव कर सकती हैं। सुर्ख लाल रंग के लिपस्टिक हर अवसर पर इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं, इस रंग का दौर हमेशा बरकरार रहता है।

ऑरेंज रंग की लिपस्टिक या इससे मिलते-जुलते शेड्स इस सीजन में छाए हुए हैं। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह हर ड्रेस और गोरी या सांवली हर महिला पर जंचता है। ब्राउन रंग की लिपस्टिक चमकते लुक के ऊपर खूब जंचते हैं। कम मेकअप के साथ इसे लगाने से यह आपके लुक को अलग अंदाज देगा। पर्पल रंग की लिपस्टिक से होठों को सजा आप इसके साथ मैंचिंग रंग के कपड़े या मिक्स रंग के कपड़े भी पहन सकती हैं। साथ ही इसी रंग का चमकीला आईलाइनर लगाना ना भूलें। यह आपको बोल्ड लुक देगा।काले रंग के लिपस्टिक शेड आजकल लड़कियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। शाम की पार्टी में आप इसे लगाएं। यकीनन आप भीड़ से अलग नजर आएंगी।

फिटनेस के लिए डाइट चार्ट का ध्यान रखें

सभी युवतियां और महिलाएं अपनी फिटनेस को लेकर सजग रहती हैं पर कई बार बढ़ते वजन को लेकर परेशान रहती हैं। वजन बढ़ने से उन्हें फिगर खराब होने का भी डर होता है। ऐसे में वह डायटिंग के साथ ही जिम भी जाने लगती हैं। इसके बाद भी कई ऐसी गलतफहमियां है जिनकी वजह से वजन फिर भी कम नहीं हो पाता। अक्सर माना जाता है कि पैकेट वाले खाने में कैलोरी कम होती है। अगर आप कुछ ऐसी ही सोच रही हैं तो सावधान हो जाइए। जब भी पैकेट वाला खाना खाएं तो उसमें पढ़ लें कि कौन सी चीज कितनी मात्रा में है। कुछ खाने वाली चीजें ऐसी होती हैं जिसमें शुगर, आटा और स्टार्च का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जो आपका वजन और बढ़ा सकता है।

सबसे ज्यादा समय बैली फैट को कम करने में लगता है हालांकि पेट से संबंधित व्यायाम करने की वजह से धीरे धीरे चर्बी घटने लगती है। इसलिए कोशिश करें कि कार्डियो के अलावा ऐसी एक्सरसाइज करें जिसे करने में पेट पर जोर पड़े। व्यायाम करने से पहने खाना न खायें। किसी भी काम को करने से पहले ताकत की जरूरत होती है। शरीर को ताकत खाने से ही मिलती है। ऐसे में अगर आप सुबह एक्सरसाइज करते हैं तो हल्का खाना या यूं कहें कि बिस्किट लेना ठीक रहेगा।

खाने पर ज्यादा पाबंदियां ठीक नहीं हैं। अगर आपको लगता है कि फिट रहने के लिए डाइटिंग करनी चाहिये तो यह सही नहीं है। कई मॉडल्स इससे सहमत नहीं हैं। आजकल मिस इंडिया सुमन अपने खूबसूरत फिगर को लेकर भी काफी ज्यादा चर्चाओं में हैं पर सुमन खाने की भी काफी शौकीन हैं, हां वह अपने डाइट चार्ट का गंभीरता से पालन करती हैं।

वह रोज सुबह अपना ब्रेकफास्ट समय पर करती हैं। ब्रेकफास्ट में वह कॉफी के साथ सैंडविच और मफिंस लेना कभी नहीं भूलती। लंच में वह वेजिटेरियन और नॉनवेजिटेरियन दोनों तरह चीजें खाती हैं। साथ ही उनकी डाइट में ढेर सारा सलाद भी रहता है। रात को वह केवियर, सलामी और पास्ते जैसा हल्का फुल्का कुछ खा लेती हैं।

दिन की शुरुआत एक ग्लास नींबू पानी से होती है। इसके बाद वह गुनगुने पानी में शहद लेती हैं। उन्हें जापानी फूड भी काफी ज्यादा पसंद है। सुमन नियमति रूप से हरी सब्जियों और फ्लों का रस भी पीती हैं। इसके अलावा वह हर दो घंटे में ड्राई फ्रूट्स खाती हैं।

सुमन राव डेली वर्कआउट रुटीन को फॉलो नहीं करती। उन्हें रेगुलर जिम जाना पसंद नहीं है हालांकि जब वह जिम जाती हैं तो क्रंचिस, पुशअप्स, स्क्वाट्स और पुलअप्स जरूर करती हैं। साथ ही वह रोजाना 45 मिनट योगा के लिए निकालती हैं।

बच्चों को इस प्रकार सिखाएं काम-काज

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें

कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें

यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फमें कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फअरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फमें सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं

बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और ईनाम

नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफकरें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

सबके सामने तारीफकरें

जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफकरें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी, बल्कि आपका प्यार और आपका साथ उसमें नई ऊर्जा का संचार करेगा।

मुहांसे हटाने के लिए करें एलोवेरा, हल्दी का उपयोग

मुहांसे चेहरे के किसी भी हिस्से में हो सकते हैं, लेकिन जब ये होठों जैसे संवेदनशील हिस्सों में दस्तक देते हैं तो यह काफी तकलीफदेह होता है। होठों पर होने वाले मुहांसों का अगर हम तत्काल कोई इलाज नहीं करते तो इसका संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में आपको और मुहांसे झेलने पड़ सकते हैं। हार्मोनल बदलाव, संक्रमण आदि की वजह से होने वाले इन मुहांसों से छुटाकारा पाने में कुछ घरेलू उपाय हमारी मदद कर सकते हैं। ये प्राकृतिक नुस्खे न सिर्फ मुहांसों से छुटकारा दिलाते हैं बल्कि उन्हें फैलने से रोकने में भी सहायता करते हैं।

हल्दी पाउडर दृ हल्दी हर घर में इस्तेमाल होने वाला प्रमुख मसाला है। इसमें एंटी-इन्फ्लेमेट्री तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। ऐसे में यह होठों पर होने वाले मुहांसों से आराम दिलाने में मददगार होता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक चुटकी हल्दी पाउडर को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को होंठों पर हुए मुहांसों पर 10-15 मिनट के लिए रखें। बाद में एक गीले कपड़ें से इसे पोछ दें। दिन में दो बार इस नुस्खे को आजमाने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

एलोवेरा जेल दृ एलोवेरा मुहांसों के लिए सबसे बेहतरीन इलाज के तौर पर जाना जाता है। यह सिर्फमुहांसों को हटाने का काम ही नहीं करता बल्कि यह मुहांसों को त्वचा पर फैलने से रोकने में भी मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए एक सूती फाहे को एलोवेरा जेल में भिगोकर मुहांसों पर लगाएं और इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से धो लें। दिन में 4-5 बार इसे दुहराएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पानी के बिना भी बर्तन धो सकते हैं, 2 मिनट में चमकेंगे

जब दैनिक कामकाज की बात आती है, तो बर्तन धोना काफी परेशानी भरा हो सकता है। लेकिन क्या होगा अगर मैं आपसे कहूं कि पानी का उपयोग किए बिना, केवल 2 मिनट में आपके बर्तनों को बिल्कुल नया बनाने का एक तरीका है? हां, आपने इसे सही सुना! इस लेख में, हम एक सरल युक्ति बताएंगे जो आपका समय और प्रयास बचाएगी। पारंपरिक रगडने़ और धोने की दिनचर्या को अलविदा कहें। आइए इसमें गोता लगाएँ और इस जल रहित सफाई विधि की खोज करें।

बेकिंग सोडा और सिरके का जादू

सामग्री जिनकी आपको आवश्यकता होगी

आरंभ करने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपके पास निम्नलिखित वस्तुएँ उपलब्ध हों=

मीठा सोडा

सफेद सिरका

एक छोटा कटोरा

एक माइक्रोफ़ाइबर कपड़ा या स्पंज

चरण 1=एक सफाई पेस्ट बनाएं

1.एक छोटा कटोरा लें और उसमें दो बड़े चम्मच बेकिंग सोडा डालें। बेकिंग सोडा एक उत्कृष्ट अपघर्षक क्लीनर है, और यह आपके बर्तनों से गंदगी और दाग हटाने में मदद करेगा।

2.गाढ़ा, झागदार पेस्ट बनाने के लिए बेकिंग सोडा में धीरे-धीरे सफेद सिरका मिलाएं। यह रासायनिक प्रतिक्रिया ही सफाई प्रक्रिया को प्रभावी बनाती है। आप एक तेज़ प्रतिक्रिया देखेंगे; यह बिल्कुल सामान्य है.

चरण 2= पेस्ट लगाएं

3.माइक्रोफाइबर कपड़े या स्पंज का उपयोग करके, बेकिंग सोडा और सिरके के पेस्ट को बर्तनों पर लगाएं। सभी गंदे या चिकने क्षेत्रों को ढकना सुनिश्चित करें।

4.इसे एक मिनट तक ऐसे ही रहने दें. यह संक्षिप्त प्रतीक्षा अवधि सफाई समाधान को गंदगी और दागों को तोडने़ की अनुमति देती है।

चरण 3= रगड़ें और धोएं

5.एक मिनट बीत जाने के बाद वही कपड़ा या स्पंज लें और बर्तनों को धीरे-धीरे रगड़ें। बेकिंग सोडा की अपघर्षक क्रिया, सिरके के सफाई गुणों के साथ मिलकर, सबसे कठिन दागों को भी हटाने में अद्भुत काम करेगी।

6.एक बार जब आप सभी बर्तनों को साफ़ कर लें, तो पेस्ट के किसी भी अवशेष को हटाने के लिए उन्हें गर्म पानी से धो लें।

चरण 4= सुखाएं और प्रशंसा करें

7.धोने के बाद बर्तनों को पोंछने के लिए साफ, सूखे कपड़े का इस्तेमाल करें। आपके बर्तन और बर्तन अब न्यूनतम प्रयास के साथ नए जैसे अच्छे दिखेंगे!

जल रहित सफ़ाई के लाभ

1. जल संरक्षण

इस जलरहित सफाई युक्ति का सबसे महत्वपूर्ण लाभ जल का संरक्षण है। पानी की कमी के बारे में बढ़ती चिंताओं के साथ, पर्यावरण-अनुकूल सफाई समाधान ढूंढना आवश्यक है।

2. समय दक्षता

पारंपरिक बर्तन धोने में समय लग सकता है। यह विधि आपका बहुमूल्य समय बचा सकती है, खासकर जब आपके पास निपटाने के लिए व्यंजनों का ढेर हो।

3. लागत प्रभावी

बेकिंग सोडा और सिरका किफायती और आसानी से उपलब्ध सफाई एजेंट हैं। आपको महंगे सफाई उत्पादों में निवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी।

4. सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल

यह विधि सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है। आप कठोर रसायनों का उपयोग नहीं करेंगे जो आपके और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। बेकिंग सोडा और सिरके का उपयोग करके जल रहित सफाई विधि घरेलू कामकाज की दुनिया में एक गेम-चेंजर है। यह न केवल कुशल है बल्कि पर्यावरण-अनुकूल, लागत प्रभावी और सुरक्षित भी है। प्रचुर मात्रा में पानी से बर्तन धोने के कभी न खत्म होने वाले चक्र को अलविदा कहें! इस ट्रिक को आजमाएं और आपके बर्तन सिर्फ 2 मिनट में चमचमाते हुए साफ हो जाएंगे। तो इंतज़ार क्यों करें? इसे आज़माएं और अपने लिए पानी रहित सफ़ाई के जादू का अनुभव करें!(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -084

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

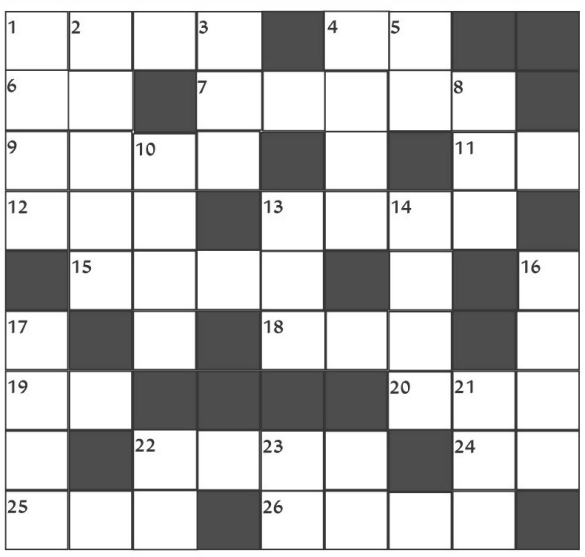

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 83 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

ग्रीन डीपनेक गाउन पहन निक्की तंबोली ने लगाया बोल्डनेस का तडका

बिग बॉस 14 की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में निक्की तंबोली की लेटेस्ट हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो गया है। एक्ट्रेस निक्की तंबोली आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस को मदहोश कर देते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक में ग्रीन कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ग्लोरियस नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। और आए दिन वो अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं। निक्की तंबोली अपने लुक्स से बी-टाउन की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात देती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच रही हैं। अभिनेत्री निक्की तंबोली फैशनिस्ट से कम नहीं हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर लाइमलाइट बटौरता रहता है। ओपन हेयर को कर्ल्स कर के और साथ ही न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने लुक को खूबसूरत तरीके से निखारा है। निक्की तंबोली ने अपनी इन फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- जितनी मैं दिखती हूं उतनी मूडी नहीं हूं।

झलक दिखला जा में जज के रूप में टेलीविजन पर आएंगे अभिनेता अरशद वारसी

अभिनेता अरशद वारसी झलक दिखला जा में जज के रूप में टेलीविजन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन?होंने कहा कि कैसे नृत्य हमेशा उनके सबसे बड़े जुनून में से एक रहा है। साथ ही कहा कि उनका लक्ष्य प्रतियोगियों को दिल से नृत्य करने के लिए प्रेरित करना होगा।

यह शो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आपके पसंदीदा सितारों के सार्वजनिक व्यक्तित्व में एक अनूठा मोड़ जोड़ता है। वे प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए जटिल नृत्य दिनचर्या सीखने और प्रदर्शन करने की चुनौती लेते हैं।

अरशद का करिश्मा और नृत्य तथा अभिनय के प्रति अद्वितीय दृष्टिकोण उन्हें निर्णायक पैनल में शामिल करने के लिए एकदम उपयुक्त बनाता है।

उसी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, नृत्य हमेशा से मेरे सबसे बड़े जुनूनों में से एक रहा है और मुझे वर्षों से इस मंच पर शानदार प्रदर्शन देखना पसंद है। मेरे मन में उन प्रतियोगियों के लिए बहुत सम्मान है जो अपने आराम की जिंदगी से बाहर निकलकर इसमें हिस्सा लेंगे। उन?होंने कहा कि इस चुनौती का सामना करें, और प्रत्येक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में अपना दिल और आत्मा लगा दें।

धमाल अभिनेता ने साझा किया, खुद को वहां पेश करने के लिए साहस की आवश्यकता होती है और मुझे उम्मीद है कि मेरी प्रतिक्रिया और प्रोत्साहन उन्हें इस यात्रा के दौरान बेहतर कलाकार बनने में मदद करेंगे। मेरा लक्ष्य उन्हें दिल से नृत्य करने और आनंद लेने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा, निश्चित रूप से मैं उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता से मनोरंजन और प्रेरणा पाने के लिए उत्सुक हूं। मैं इस नए सीजन के शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता। झलक दिखला जा जल्द ही सोनी पर प्रसारित होगा।

रवि तेजा की उपस्थिति मुझे डराती थी- गायत्री भारद्वाज

रवि तेजा हाल ही में पैन-इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव से अभिनेत्री गायत्री भारद्वाज ने अपना तेलुगु डेब्यू किया । जहां फिल्म को हर तरफ से अच्छी समीक्षा मिल रही है, वहीं ऑडियंस , इंडस्ट्री और क्रिटिक गायत्री के अभिनय और गांव की लड?ी के लुक की प्रशंसा करने से नहीं रुक रहे हैं। जैसा कि वह खुद को मिल रहे प्यार से गदगद है, अभिनेत्री अपने सुपरस्टार सह-कलाकार के बारे में तारीफें करती नहीं थक रही हैं।

रवि तेजा के साथ पहली बार काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, गायत्री कहती हैं, अपने करियर में पहली बार, मैं किसी सुपरस्टार के साथ काम कर रही थी। यहां दक्षिण में उनका दबदबा कुछ अलग ही है। वह जब चलते हैं तो अपने साथ एक स्टारडम लेकर चलते हैं। जब भी वह सेट पर होते हैं तो वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं।

अभिनेत्री आगे कहती हैं कि सेट पर उनका दिन कैसा बीतता था,हमारी दिनचर्या यह थी कि वह अंदर आते थे और मेरे पास खड़े हो जाते थे और मुझे अपने डायलॉग बोलने पड़ते थे। उनकी उपस्थिति मुझे डराती थी क्योंकि वह एक लार्जर दैन लाइफ अभिनेता हैं। उनके साथ अभिनय करना मेरे लिए बेहद कठिन था। लेकिन उनकी स्वीकृति मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

पूर्व मिस इंडिया, गायत्री ने संगीत वीडियो के साथ शोबिज में कदम रखा। वह कॉल और पटोला जैसे गानों में नजर आईं। उन्हें अभिनय में ब्रेक भुवन बाम की डिजिटल सीरीज़ ढिंडोरा से मिला, जहां उन्होंने एक डॉक्टर और भुवन की प्रेमिका की भूमिका निभाई। वह इश्क एक्सप्रेस और हाईवे लव का भी हिस्सा थीं।

आर्या मेरा बेस्ट काम नहीं है, अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है:सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन ने खुलासा किया है कि वेब सीरीज आर्या उनका बेस्ट काम नहीं है। उनके पास दर्शकों को पेश करने के लिए और भी बहुत कुछ है।

सुष्मिता सेन एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्हें अपने शो आर्या के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपने एक्टिंग स्किल्स को दिखाने का शानदार मौका मिला है। टीम के दो शानदार सीजन रहे हैं और अब वे अपने तीसरे सीजन के साथ वापस आ गई हैं, जो 3 नवंबर को डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुआ।

एक्ट्रेस ने अपने तीसरे सीजन के साथ आने वाले शो के बारे में बात की, इसका उनकी फिल्मोग्राफी पर क्या प्रभाव पड़ा है और भी बहुत कुछ।

उन्होंने कहा, सब कुछ। मेरे पास राम माधवानी जैसा इंस्टिट्यूट था, जो मुझे एक फिल्म के 40 दिन से अधिक नहीं बल्कि तीन सीजन के 60-60-60 दिन और आने वाले समय के बारे में सिखाते थे। एक कलाकार के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं। लेकिन अगर आप कहें कि यह मेरा बेस्ट काम है, तो मैं कहूंगी नहीं। अभी बहुत कुछ आना बाकी है। इसने मेरे अंदर एक कलाकार की प्यास को फिर से जगा दिया है। मुझे ऐसे महान अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला, जिनके साथ आप उचित तैयारी के बिना काम नहीं कर सकते। मेरे पास कई हिट गाने, हिट फिल्में थीं, लेकिन मेरे जीवन में कभी आर्या नहीं थी। इसने मेरी फिल्मोग्राफी में बहुत कुछ जोड़ा है।

शो के तीसरे सीजन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमें पहले दो सीजन के लिए बहुत प्यार मिला है। यही वजह है कि हम सीजन 3 लेकर आए हैं। हमने बहुत ईमानदारी से एक कहानी कही है। हम तीसरे सीजन के लिए बहुत उत्साहित हैं। हमें पहले दो सीजन के लिए बहुत प्यार मिला है। यही कारण है कि हम सीजन 3 लेकर आए हैं। हमने बहुत ईमानदारी से एक कहानी कही है। हम तीसरे सीजन के लिए बहुत उत्साहित हैं। ओटीटी द्वारा लाए गए बदलाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ओटीटी की बहुत बड़ी फैन हूं। इसने मुझे किरदारों को निखारने का समय दिया है। इसने हमें लोगों के घरों तक पहुंचाया, जहां वे कभी भी और कहीं भी हम पर नजर रख सकते हैं। हम देश ही नहीं विश्व स्तर पर अपने काम का प्रदर्शन कर सकते हैं। आर्या सीजन 3, 3 नवंबर को डिज़्नी+हॉटस्टार पर रिलीज हुई।

ईशा गुप्ता ने 37 की उम्र में बरपाया कहर

ईशा गुप्ता अपनी हॉटनेस की वजह से अक्सर ही चर्चा में आ जाती हैं. उनका हर लुक फैंस के दिलों का धडकनें बढ़ा देता है. ऐसे में चाहने वालों को उनके नए लुक्स का भी बेसब्री से इंतजार रहता है. वहीं, ईशा भी अपने फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए अपने नए-नए लुक्स शेयर करती रहती हैं. इस कारण उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी लंबी हो चुकी है. अब फिर से ईशा ने हॉट अदाओं से इंटरनेट का पारा हाई कर दिय है.

लेटेस्ट फोटोशूट में एक्ट्रेस काफी बेबाक दिख रही हैं. उन्होंने अपनी सिजलिग फोटोज के लिए व्हाइट शेट की ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस कैरी की है. इसके साथ उन्होंने मैचिंग की शर्ट पेयरअप की है.

ईशा ने बहुत स्टनिंग लुक में अपना अवतार फ्लॉन्ट करते हुए पोज दिए हैं. एक्ट्रेस का ये नया ग्लैमरस लुक भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल होने लगा है.

ईशा ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड शाइनी बेस और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा है. वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर ईशा ने कानों में व्हाइट ईयररिंग्स कैरी किए हैं. अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी बेहद पसंद किया जा रहा है. फैंस ने उनकी तारीफों के पुल बांधते हुए कई कमेंट्स किए हैं.

ईशा के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय एक्ट्रेस के पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं. जल्द ही एक्ट्रेस को फाइल नंबर 323 टाइटल से बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है. इसके अलावा उन्हें देसी मैजिक, हेरा फेरी 3 और वेब सीरीज आश्रम 4 में भी देखा जाने वाला है.

भावनात्मक सफर पर निकले शाहरुख ने लूटी महफिल

शाहरुख खान की फिल्म डंकी का इंतजार दुनियाभर के दर्शकों को है और पिछले दिनोंअपने 58वां जन्मदिन के मौके पर प्रशंसकों को फिल्म डंकी के टीजर की सौगात भी मिल गई है, जिसकी राह बड़ी बेसब्री से देखी जा रही थी। टीजर की शुरुआत एक गाने निकले थे कभी हम घर से, घर दिल से मगर नहीं निकला... से होती है, जहां शाहरुख रेगिस्तान में भागते हुए नजर आ रहे हैं। उनके साथ कुछ लोग भी हैं। हार्डी बने शाहरुख हंसाने के साथ-साथ भावुक भी करते हैं, वहीं सूट-सलवार पहने तापसी उर्फ मन्नू सीधे-सादे अवतार में नजर आई हें। वास्तविक जीवन के अनुभवों और कहानियों पर आधारित डंकी प्यार और दोस्ती की एक खूबसूरत और भावनात्मक दास्तां बयां कर रही है।

शाहरुख ने टीजर साझा कर लिखा, सपनों और इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश कर रहे सरल और वास्तविक लोगों की कहानी। एक हृदयस्पर्शी कहानीकार की हृदयस्पर्शी कहानी। इस यात्रा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। उम्मीद है कि आप सभी हमारे साथ आएंगे।

डंकी शाहरुख की फिल्म जवान और पठान से बिल्कुल अलग होने वाली है। इसमें उनका एक्शन अवतार देखने को नहीं मिलेगा, लेकिन फिल्म में दर्शकों को एक ऐसी चीज दिखाई जाएगी, जो पहले किसी भी फिल्म में देखने को नहीं मिली।राजकुमार हिरानी की फिल्में जितनी मनोरंजक होती हैं, डंकी उससे भी कहीं ज्यादा मनोरंजक होगी। दर्शकों को फिल्म देखते समय मजा तो आएगा ही, साथ-साथ उन्हें इससे कुछ सीख भी मिलेगी, जैसा हिरानी की फिल्मों में होती ही है।

डंकी में शाहरुख के अलावा तापसी पन्नू, दीया मिर्जा, बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में धर्मेंद्र और सतीश शाह भी हैं, वहीं इसमें विक्की कौशल और काजोल मेहमान भूमिका में नजर आएंगे।हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण शाहरुख की पत्नी गौरी खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। इसके जरिए शाहरुख ने पहली बार हिरानी के साथ काम किया है।

शाहरुख की फिल्म पठान में सलमान खान के कैमियो ने धमाल मचा दिया था। अब टाइगर 3 में शाहरुख का कैमियो नजर आएगा, जो धमाकेदार होने वाला है।

भू-राजनीतिक तनाव में फंसी भारत की आर्थिकी

अजीत द्विवेदी

यह संयोग है कि पिछले माह छह अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा नीति की दोमासिक बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने और साथ ही देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर को भी साढ़े छह फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला हुआ और उसके अगले दिन यानी सात अक्टूबर को इजराइल और हमास की जंग छिड़ गई। दुनिया पहले ही करीब डेढ़ साल से एक जंग झेल रही है। पिछले साल अप्रैल से यूक्रेन और रूस की जंग चल रही है। आर्मेनिया और अजरबैजान का युद्ध किसी तरह से तुर्की की मध्यस्थता से सुलझा है और मध्य एशिया में शांति बनी है और इस बीच पश्चिम एशिया में नई जंग शुरू हो गई है। अभी तो इजराइल और हमास के बीच जंग चल रही है लेकिन इसका दायरा बढने़ में समय नहीं लगेगा। लेबनान की ओर से हिजबुल्ला ने हमला शुरू कर दिया है और यमन की ओर से हूती विद्रोही हमले कर रहे हैं। इसके अलावा जिस तरह से सीरिया में स्थित ईरान के ठिकानों पर अमेरिका ने बमबारी की है उससे जंग का दायरा बढने़ का खतरा पैदा हो गया है।

इस भू-राजनीतिक अस्थिरता की वजह से वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। रूस और यूक्रेन की जंग की ही तरह इजराइल और हमास की लड़ाई लंबी चलती है और इसका दायरा बढ़ता है तो इसका असर पूरी दुनिया के साथ साथ भारत पर भी होगा। ध्यान रहे रूस और यूक्रेन की जंग ने भारत को ज्यादा प्रभावित नहीं किया क्योंकि अमेरिका और यूरोप की पाबंदियों के बावजूद भारत की पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस से कच्चा तेल खरीदा और उसे रिफाइन करके दुनिया के बाजार में बेचा। सो, युद्ध की अवधि के दोनों वित्त वर्ष में कच्चे तेल की कीमत में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ और भारत में भी कीमत स्थिर रही। कोरोना के तुरंत बाद शुरू हो गए युद्ध की वजह से अनेक जरूरी चीजों की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई लेकिन भारत अछूता रहा और अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी ज्यादा प्रभावित नहीं हुई। लेकिन एक दूसरे भौगोलिक क्षेत्र में युद्ध शुरू होने से अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

हालांकि इजराइल और हमास की जंग शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने भारत की जीडीपी की अनुमानित दर में मामूली बढ़ोतरी की और उसे 6.1 से बढ़ा कर 6.3 फीसदी किया। लेकिन आईएमएफ ने भी माना है कि रूस व यूक्रेन युद्ध और बढ़ते भू राजनीतिक तनाव के अलावा कई स्थितियां ऐसी हैं, जिनसे अर्थव्यवस्था पर असर होगा। उसने ऊंचे ब्याज दर की मिसाल दी है। गौरतलब है कि अमेरिका में उच्च ब्याज दर की वजह से बॉन्ड से होनेवाली आय बढ़ गई है, जिससे वैश्विक निवेश प्रभावित हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है कि अमेरिकी बॉन्ड्स से होने वाली आय पांच फीसदी तक पहुंच गई है, जो 16 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। दुनिया के दूसरे अनेक देशों में ब्याज दर ऊंची होने से विकास दर पर बड़ा असर पड़ा है। आईएमएफ ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार खो रही है।

इसलिए, 2023 के लिए वैश्विक वृद्धि दर अनुमान को घटाकर तीन फीसदी किया गया है। उसने यह भी कहा है कि 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार और धीमी होकर 2.9 फीसदी रह जाएगी। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरीचांस ने कहा है- कोरोना और यूक्रेन पर रूस के हमले सहित कई झटकों से तीन साल में दुनिया भर के आर्थिक उत्पादन में कोविड पूर्व रूझानों की तुलना में 37 सौ अरब डॉलर की कमी आई है। हालांकि भारत के लिए अच्छी स्थिति यह है कि पश्चिमी देशों और चीन के बीच दूरी बढ़ी है, जिसका लाभ भारत को मिल सकता है। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने भी कहा है कि इजराइल और हमास की जंग का बड़ा आर्थिक असर होगा।

बहरहाल, रिजर्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने इजराइल और हमास की जंग लंबा चलने या इसका दायरा बढने़ के बाद की स्थितियों को विकास दर के आकलन में शामिल नहीं किया है। अगर जंग तेज होती है या इसका दायरा बढ़ता है तो कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और उसकी कीमतों में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों और फर्टिलाइजर की आपूर्ति व कीमत दोनों प्रभावित होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी आशंका जता चुकी हैं कि खाद्यान्न, कच्चा तेल और फर्टिलाइजर महंगे हो सकते हैं। ध्यान रहे भारत में अगले साल लोकसभा का चुनाव होना है इसलिए केंद्र सरकार के सामने महंगाई को काबू में रखने की चुनौती है।

अगर विश्व बाजार प्रभावित होता है और जरूरी चीजों की आपूर्ति प्रभावित होती है तब भी राजनीतिक कारणों से भारत को महंगाई दर नहीं बढने़ दी जाएगी। रिजर्व बैंक पर दबाव होगा कि वह ब्याज दरों में कमी न करे। अगर ब्याज दर नहीं घटाए जाते हैं तो विकास दर ठहरी रहेगी। सो, अगर युद्ध की वजह से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने और कीमत बढने़ का बोझ सरकार जनता के ऊपर नहीं डालती है तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था के बड़े पैरामीटर यानी मैक्रो इकोनॉमिक्स प्रभावित होगी। मॉनसून और अल नीनो का असर अलग परेशान करने वाला होगा। भारत में मामूली ही सही लेकिन खराब मॉनसून की वजह से चावल का उत्पादन प्रभावित होगा। चुनावी साल में महंगाई को काबू में रखने के लिए भारत सरकार को लगातार कभी चावल तो कभी चीनी तो कभी प्याज और टमाटर का आयात-निर्यात नियंत्रित करना पड़ रहा है।

भारत सरकार की उम्मीदें इस बात पर टिकी हैं कि वित्त वर्ष 2022-23 की आखिरी दो तिमाही के मुकाबले चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 की पहली दो तिमाही में कच्चे तेल की कीमत अपेक्षाकृत कम रही है इसलिए अगर पिछले वित्त वर्ष के उच्च स्तर यानी 109 डॉलर तक भी कीमत जाती है तो उसका असर भारत झेल सकता है। दूसरी उम्मीद यह है कि त्योहारी सीजन में कार, बाइक से लेकर तमाम तरह के उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, जिससे तीसरी और चौथी तिमाही की विकास दर ऊंची रहेगी। अक्टूबर के जीएसटी के आंकड़ों से सरकार की उम्मीदें पूरी होती दिख रही हैं। अक्टूबर में सरकार ने 1.72 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा किया।

सरकार की तीसरी उम्मीद है कि कार और आवास दोनों के कर्ज की मांग बढ़ी है और त्योहारी सीजन में यह मांग जारी रहेगी। दूसरी ओर चिंता की बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में गैर टिकाऊ वस्तुओं की मांग में कमी आई है और दूसरी ओर आईटी सेक्टर में अब भी छंटनी का दौर चल रहा है। ऐसा लग रहा था कि दूसरी तिमाही में छंटनी रूक जाएगी लेकिन छंटनी नहीं रूकी है और नई बहाली नहीं शुरू हो रही है। सो, बेरोजगारी के मोर्चे पर सरकार की चिंता बढ़ सकती है। अगर रोजगार के अवसर नहीं बढ़ते हैं तो लोगों के खर्च में कमी आएगी, जिससे विकास दर प्रभावित हो सकती है। इस तरह से यह एक दुष्चक्र की स्थिति बन रही है। खासकर महंगाई और बेरोजगारी के आंकड़ों की वजह से। सरकार को महंगाई काबू में रखनी है और विकास दर को भी नीचे नहीं आने देना है।

सू- दोकू क्र.084

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 83 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

एर्नाकुलम विस्फोट : डराती है ऐसी घटना

अवधेश कुमार

किसी आतंकवादी घटना की गंभीरता का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होता कि उसमें कितने लोगों की मौत हुई। केरल में एर्नाकुलम जिले के कलामसेरी के कन्वेंशन सेंटर यानी सम्मेलन केंद्र में हुआ विस्फोट हर दृष्टि से डराने और चिंतित करने वाली घटना है। निस्संदेह, तीन व्यक्तियों की मृत्यु तथा 51 लोगों का घायल होना सुरक्षा एजेंसियों के लिए थोड़ी राहत का विषय है। हालांकि एक व्यक्ति की भी मृत्यु या घायल होना हमारे लिए चिंता का विषय होना चाहिए। यहोवाज विटनेसेस या यहोवा विटनेस समुदाय के तीन दिनों के कार्यक्रम में 2000 के आसपास लोग उपस्थित थे।

तीन विस्फोट का मतलब इसकी पहले से पूरी तैयारी की गई थी। यह भी साफ हो गया है कि विस्फोट ईईडी से ही हुआ। यह कहना मुश्किल है कि कोच्चि निवासी डोमिनिक मार्टनि नामक व्यक्ति द्वारा घटना की जिम्मेवारी लेने का सच क्या है। क्या वह अकेले इस विस्फोट में शामिल था या उसके साथ अन्य लोग थेड जो कुछ वह कह रहा है उतना ही सच है या इसके पीछे कोई व्यापक षड्यंत्र हैड राष्ट्रीय जांच एजेंसी या एनआईए और केरल का आतंकवाद निरोधी दस्ता की छानबीन के बाद इसका पूरा सच सामने आएगा। किंतु केरल सरकार द्वारा बिना सोचे समझे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आरोपित करने से ज्यादा गैर जिम्मेदार कुछ नहीं हो सकता। तो केरल के रुख और यहोवाज विटनेसेस के साथ इस समय देश का जैसा वातावरण है और विशेष कर केरल में जैसा तनावपूर्ण माहौल बनाया गया है उनकी गहराई से विवेचना आवश्यक है।

यहोवा विटनेस के लोग यीशु मसीह को ईर न मानकर उनका पुत्र मानते हैं तथा स्वयं को वास्तविक क्रिश्चियन कहते हैं। यह क्रिसमस और ईस्टर जैसी छुट्टियां भी नहीं मानते। इनके सामाजिक नियम और रीति- रिवाज काफी सख्त हैं, जिसमें तलाक लेने और रक्त लेने तक का निषेध है। स्वाभाविक अन्य ईसाई मतावलंबियों के साथ इनका तनाव होता है। जो ईसा मसीह को ईर मानते हैं वो ईर न मानने वालों का विरोध करेंगे। ये लोगों के बीच अपना विचार प्रसार कर उन्हें अपने साथ शामिल करने की कोशिश करते हैं और इससे भी तनाव पैदा होता है। ध्यान रखिए, केरल में लगभग तीन दशक पहले इस समूह के तीन बच्चों पर उनके स्कूल में राष्ट्रगान का अपमान करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की थी और यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक गया था। यह समुदाय अपने विस्तार के लिए ऐसी बातें बोलता है, जिससे निस्संदेह भारत विरोध या यहां की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक व्यवहार आदि की निंदा और उनके अंत करने तक की बातें होती हैं। केरल में चर्च की कुछ गतिविधियां भी समाज को असहज करने वाली रही हैं और उनका विरोध होता रहा है। मार्टनि ने घटना के बाद छह मिनट का एक वीडियो जारी किया जिसमें कह रहा है कि उसने इसलिए किया क्योंकि संगठन की शिक्षाएं देशद्रोही है। इसकी विचारधारा खतरनाक है और इसलिए इसे राज्य में समाप्त करना होगा। उसका कहना है कि उसने कई बार संगठन को अपनी शिक्षा या विचार को सही करने को कहा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उसके अनुसार चूंकि मेरे पास कोई अन्य विकल्प नहीं था, इसलिए मैंने यह निर्णय लिया। यहोवाज विटनेस ने उसे अपना पंजीकृत सदस्य मानने से इनकार किया है। जिस तरह डोमिनिक मार्टनि बयान दे रहा है उससे नहीं लगता कि समूह से उसका संबंध नहीं रहा होगा। निश्चित रूप से इस घटना के बाद डोमिनिक मार्टनि के साथ समूह की, गतिविधियों, विचारों , संसाधनों आदि की व्यापक छानबीन होगी। किंतु पिछले कुछ समय से केरल में भारत विरोधी हिंसक मजहबी कट्टरपंथ की चिंताजनक गतिविधियां सामने आई हैं। इस्त्राइल और हमास युद्ध के बाद वैसे तो देश का वातावरण ही काफी तनावपूर्ण बनाया जा चुका है, मगर केरल में लगभग प्रतिदिन कहीं-न-कहीं कोई छोटी बड़ी रैली या धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। इस विस्फोट के एक ही दिन पूर्व केरल की एक रैली को हमास के पूर्व प्रमुख खालिद मशाल ने संबोधित किया था, जिसमें उसने कहा था कि बुलडोजर, हिंदुत्व और यहूदीवाद को उखाड़ फेंकना है। तात्कालिक विस्फोट से सीधे इसका संबंध हो या नहीं हो किंतु स्थिति कितनी खतरनाक है कि विदेश में बैठे हिंसक संगठन का पूर्व प्रमुख वर्चुअल भारत की रैली को संबोधित करते हुए हिंसक विद्रोह के लिए उत्तेजित करता है और लोग तालियां बजाते हैं। भाजपा को छोडडर किसी राजनीतिक पार्टी ने इसका विरोध नहीं किया।

पूर्व आईएफएस बहुगुणा ने थामा समानता पार्टी का हाथ

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड समानता पार्टी के प्रमुख महासचिव चन्दन सिंह नेगी ने बताया कि पूर्व आईएफएस डा. वीके बहुगुणा ने उनकी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए नेगी ने कहा कि पूर्व आईएफएस डॉ. वीके बहुगुणा जो त्रिपुरा के प्रधान सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए जो पर्यावरण और वन मंत्रालय में भारतीय वानिकी परिषद के महानिदेशक और एफआरआई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति थे आज उनकी पार्टी में शामिल हो गए हैं। वह इन ऊर्जावान पूर्व आईएफएस अधिकारी का पार्टी में स्वागत करते हैं। डा. बहुगुणा ने सांस्कृतिक अखंडता, विशेष रूप से बाहरी लोगों द्वारा अतिक्रमण और पिछले कुछ वर्षो के दौरान मतदाता सूची में असामान्य वृद्धि से सम्बन्धित बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए थे। जिन पर भारत सरकार ने उचित कार्यवाही की है। उन्होंने बताया कि डॉ. वीके बहुगुणा के अलावा ओएनजीसी के पूर्व महाप्रबंधक राकेश बहुगुणा जो उत्तराखण्ड में सौर ऊर्जा को बढावा देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं भी उनकी पार्टी में शामिल हुए हैं उनका भी पार्टी स्वागत करती हैं।

कुमार विश्वास की सुरक्षा यूनिट में तैनात सीआरपीएपफकमांडो को ड्यूटी से हटाया

नई दिल्ली। कवि कुमार विश्वास की वीआईपी सुरक्षा यूनिट में तैनात सीआरपीएफ कमांडो को ड्यूटी से हटा दिया गया है। सीआरपीएफ ने यह एक्शन दो दिन पहले रोडरेज की घटना के बाद लिया है। सुरक्षाबल एजेंसी ने दूसरे कमांडो की तैनाती की है। मामला यूपी के गाजियाबाद का है। यह घटना 8 नवंबर को उस समय हुई थी, जब कुमार विश्वास गाजियाबाद से अलीगढ़ में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। एक डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि कुछ सशस्त्र कर्मियों ने उसके साथ मारपीट की है। वहीं, कुमार विश्वास की टीम की तरफ से भी थाने में शिकायत की गई थी कि उनके काफिले में एक कार घुस गई और उनके वाहनों को टक्कर मारने की कोशिश की गई। सुरक्षाबलों ने विरोध किया तो कार चालक ने हमला कर दिया। हालांकि, शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने कहा था कि हमले के आरोप साबित नहीं हुए हैं। अब रोडरेज की घटना के बाद कुमार विश्वास की वीआईपी सुरक्षा में तैनात तीन सीआरपीएफ जवानों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनकी जगह कमांडो की एक अन्य टीम ने ले ली है। सूत्रों ने बताया कि इन कर्मियों को कथित रोड रेज घटना की जांच तक हटा दिया गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सीआरपीएफ महानिदेशक एसएल थाओसेन ने घटना की समीक्षा के बाद कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया यह पाया गया है कि कमांडो द्वारा संभवत: स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसीजर्स का पालन नहीं किया गया है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद घटना के सही तथ्य सामने जाएंगे।

जब तक आप है सीमाएं सुरक्षित: शाह

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में आने वाली किसी भी आपदा में आईटीबीपी प्रथम रिस्पांस टीम के रूप में पहुंची है। यही नहीं आईटीबीपी की भूमिका दूसरे देशों में दूतावासों की सुरक्षा तक में अहम रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

मोटरसाईकिलें सडक पर छोड फरार हुए..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

निकल गये। वहीं दोनों मोटरसाईकिलें मेरठ नम्बर की निकली। यहां यह भी सम्भावना जतायी जा रही है कि यह दोनों मोटरसाईकिलें भी चोरी की हो सकती हैं। अब अगर पुलिस की बात पर गौर किया जाये तो मान नहीं है यह बिहार के सुबोध गैंग का काम है। वहीं पुलिस का यह भी कहना है कि सुबोध वर्तमान में बिहार जेल में बंद है तो फिर गैंग को कौन चला रहा है। इसका भी पता लगाना जरूरी है। दिनदहाडे ज्वैलरी शोरूम को लूटना और बेखौफ मोटरसाईकिलों से शहर से इतनी दूर का सफर तय करना इस बात को दर्शाता है कि बदमाशों के मन में पुलिस का कोई भय नहीं था। पुलिस ने घटना के बाद घटनास्थल के आसपास के होटलों के भी रजिस्ट्र चेक किये थे तथा तीन दिन का रिकार्ड एकत्रित किया था लेकिन उससे भी पुलिस को कोई मदद नहीं मिल सकी। वहीं पुलिस का दावा है कि शीघ्र घटना का खुलासा कर दिया जायेगा।

राष्ट्रपति के दौरे के दौरान डकैती की घटना, कानून व्यवस्था पर सवाल: लालचंद

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के राजपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेलरी शोरूम में डकैती की घटना को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए है। महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस काफी समय से कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर रही थी। सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। नतीजा शोरूम में हुई डकैती के रूप में सबके सामने आ गया है।

देहरादून महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि शहर में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के होने पर उनकी सुरक्षा में चप्पे चप्पे पर पुलिस व्यवस्था का दावा किया जा रहा था। वहीं, सुबह करीब साढ़े दस बजे ज्वैलरी शो रूम में घुसे बदमाशों ने पूरा शो रूम ही खाली कर दिया। इससे पता चलता है कि बदमाशों में पुलिस का कोई खौफ तक नहीं रहा है। उन्होने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर भी चिंता प्रकट की। साथ ही उन्होंने महिलाओं व नाबालिग बच्चियों के विरूद्ध हो रही हिंसा, बलात्कार व जघन्य हत्याओं की घटनाओं को लेकर राज्य की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। कहा कि भ्रष्टाचार और भयमुक्त सरकार के अपने वायदे पर अमल करने में सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बीजेपी के साढ़े सात वर्ष के कार्यकाल में हत्या, चोरी, डकैती, मासूमों से बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। राज्य की जनता में भय का वातावरण व्याप्त है। आमजन विशेषकर महिलाएं अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बागेश्वर के कपकोट में 12 साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास की घटना, जनपद उधमसिंहनगर के काशीपुर में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, जनपद उधमसिंहनगर के गदरपुर में युवक की गोली मार कर हत्या, जनपद चमोली के थराली में नाबालिग से छेडछाड की घटना, जनपद पिथौरागढ़ के झूलाघाट में हत्या की घटना, देहरादून के जाखन स्थित लॉज में महिला की हत्या, जनपद उधमसिंहनगर के किच्छा में साढ़े तीन साल की बच्ची की दुष्कर्म के उपरान्त हत्या, रूद्रपुर में एक व्यक्ति की हत्या, कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक संजीव आर्य पर धारदार हथियार से जानलेवा हमले की घटना, सरकार के केबिनेट मंत्री सौरभ बहुगणा पर हमले सहित कई ऐसी घटनाएं सरकार की विफलता का जीता जागता उदहारण हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। अपराधी बेखौफ हैं। इसके बावजूद सरकार खुद ही अपनी पीठ थपथपाती रहती है।

पांच किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने पांच किलो गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान कुल्हान चौकी के पास मोटरसाईकिल सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगाकर वहां से भाग निकले। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने दोनों के कब्जे से पांच किलो गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम हर्ष पुत्र बहादुर निवासी रिस्पना पुल सपेरा बस्ती व सुनील पुत्र अर्जुन कुमार निवासी सपेरा बस्ती बाईपास बताया।

पाकिस्तान में भारत के दुश्मन, लश्कर कमांडर गाजी की गोली मारकर हत्या

कराची। पाकिस्तान में भारत के एक दुश्मन, लश्कर ए-तैयबा के पूर्व कमांडर अकरम खान उर्फ अकरम गाजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अकरम भारत के खिलाफ जहर उगलता था। वह 2018 से 2020 तक लश्कर में भर्ती का काम देखता था। अकरम गाजी की गुरुवार को पाकिस्तान के बाजौर में अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। अकरम लश्कर के टॉप कमांडर्स में रहा है। वह लंबे वक्त से आतंकी गतिविधियों में शामिल था। यह

पहला मौका नहीं है, जब पाकिस्तान में इस तरह से आतंकियों को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले मुफ्ती कैसर फारूक, खालिस्तानी आतंकी परमजीत सिंह पंजवड़, एजाज अहमद अहंगर, बशीर अहमद पीर जैसे तमाम आतंकियों को भी अज्ञात हमलावरों ने मार गिराया। पाकिस्तान में लगातार हो रही हत्याओं ने आतंकियों की नींद उड़ा रखी है। पिछले महीने पाकिस्तान में भारत के एक और मोस्ट वांटेड आतंकी शाहिद लतीफ की हत्या कर दी गई थी। अज्ञात हमलावरों ने लतीफ की सियालकोट में गोली मारकर हत्या कर दी।

चाय पर दून की दुर्दशा पर चर्चा

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने चाय पर दून की दुर्दशा पर चर्चा की गयी।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा सिटीबैंकट हाल मे आयोजित 'चाय पर चर्चा' में वक्ताओ ने कहा दूनवासियो के जनजीवन को सुखद बनाने मे लगी स्मार्ट सिटी लिमिटेड की योजनाओं को धरातल मे उतारने मे जुटी कंपनियो तथा जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण दूनवासियो को निर्माण कार्यो के चलते सडको पर धूल फांकना जानलेवा साबित हो रहा है जो अब सहनशक्ति से परे हो गया है। जबकी नियमो के अन्तर्गत खुदी सडको के किनारे यातायात तथा पैदल यात्रियो के आवागमन को सुगम बनाये रखने के लिए यहां अलग से अस्थाई कवर दिया जाने के साथ ही मिट्टी के उपर निरन्तर पानी का छिड़काव कराना भी ठेकेदार

की जिम्मेवारी है। सर्वत्र दुर्दशा दिखाई दे रही है। नियत समय पर निर्माण कार्यों को पूरा न हो पाने से हो रही देरी से लाखों जनता मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक रूप से पीडित हो रही है। इस नारकीय स्थिति पर रोक लगाई जानी जनहित मे होगी।चर्चा मे आमजन के सहयोग से जारी किए जाने वाले जनघोषणा पत्र पर विचारार्थ जनसंवाद-2 का जल्द आयोजन करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। चर्चा मे इको गुरूप सोसाइटी दून के आशीष गर्ग, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के निलेश राठी, संयुक्त नागरिक संगठन के अध्यक्ष ब्रिगेडियर केजी बहल,महासचिव सुशील त्यागी, जसवीर सिंह रेनोत्रा,जीएस जससल, रुलक के पूर्व सहयोगी अवधेश शर्मा आदि शामिल थे।

एक नजर

दिल्ली में बारिश के चलते लोगों को प्रदूषण से मिली थोड़ी राहत

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिला है। कल रात को दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश देखने को मिली जिसके चलते प्रदूषण से भी लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआर का स्तर 400 से गिरकर 100 हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली के बवाना, कंझावला, मुंडाका, जाफरपुर, नजफगढ़, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बारिश हुई। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ यानी पश्चिमी देशों से लाया हुआ सिस्टम हमारे देश में सर्दियों के मौसम में बारिश करवाता है जिसका असर दिल्ली के पॉल्यूशन पर देखने को मिल रहा है। यह पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टरबेंस मेडिटरेनियन इलाकों से शुरू होते हैं जहां पर भूमध्य सागर का प्रभाव है। यूक्रेन और उसके आसपास के इलाकों से हवा आद्रता लेकर आती है और हिमालय के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी करवाती है जबकि मैदानी इलाकों में हवाओं के साथ बारिश होती है। मौसम विभाग की मानें तो आज यानी 10 नवंबर को भी दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में बारिश देखने को मिलेगी। बता दें, दिल्ली-एनसीआर में हो रही ये बारिश लगभग एक महीने के बाद पहला वेस्टर्न डिस्टरबेंस है। कम बारिश की वजह से मौसम शुष्क था और हवा की रफ्तार भी कम थी और दिल्ली में प्रदूषण की एक बड़ी वजह मौसम का यह व्यवहार भी रहा है।

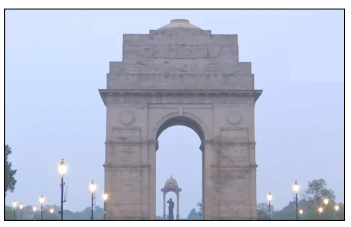

दिल्ली में 13 नवंबर से लागू नहीं होगा ऑड-ईवन नियम

नई दिल्ली। दिल्ली में अब 13 नवंबर से 20 नवंबर तक लगने वाला ऑड-ईवन फॉर्मूला लागू नहीं किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता कर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में काफी कमी आई है। दिल्ली में हुई बरसात की वजह से प्रदूषण में काफी गिरावट दर्ज की गई है। 300 के नीचे एक्यूआई पहुंच गया है। बीते दिनों पहले यह एक्यूआई 450 तक पहुंच गया था। फिलहाल, दिल्ली में जो मौजूदा स्थिति है उसे देखते हुए दिल्ली में ऑड-ईवन लागू नहीं किया जाएगा। दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दीपावली के बाद फिर से स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट के सामने अपनी बात रखी। हम सुप्रीम कोर्ट के लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश का विश्लेषण करेंगे और फिर फैसला लेंगे।

इजरायली सेना ने गाजा में हमास के एक प्रमुख गढ़ पर कब्जा किया

नई दिल्ली। इजरायली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने गाजा शहर के ठीक उत्तर में स्थित पश्चिम जबालिया में हमास के एक प्रमुख गढ़ पर कब्जा कर लिया है। जहां माना जाता है कि हमास का भूमिगत मुख्यालय है। आईडीएफ ने गुरुवार को बताया कि युद्ध में उसके एक और सैनिक की मौत हो गई। गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू होने के बाद से इजरायली सेना के 35 सैनिकों की मौत हो चुकी है। द टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक आईडीएफ का 162वां डिवीजन हमास के गाजा शहर के मिलिट्री क्वार्टर (सैन्य ठिकाना) में ऑपरेट कर रहा था। उसके अनुसार, शिफा अस्पताल से सटा तथाकथित मिलिट्री क्वार्टर, हमास की खुफिया गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, और 7 अक्टूबर के हमले की योजना यहीं से बनाई गई थी, जिसमें लगभग 1400 नागरिक मारे गए थे और 240 से अधिक का अपहरण कर लिया गया था। आईडीएफ ने कहा कि क्षेत्र में संघर्ष के दौरान 50 से अधिक हमास बंदूकधारी मारे गए। इजरायली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने खुफिया सामग्री, सुरंगों, हथियार निर्माण संयंत्रों और टैंक रोधी मिसाइल लॉन्च साइटों का लगाया है। इजरायली सेना के अनुसार, शिफा हॉस्पिटल के करीब स्थित मिलिट्री क्वार्टर हमास का खुफिया और वायु रक्षा मुख्यालय, राजनीतिक ब्यूरो कार्यालय है। हमास का सबसे बड़ा प्रशिक्षण शिविर भी यहीं स्थित है। साथ ही यहां हथियार निर्माण संयंत्र और गोदाम, कमांड सेंटर, कमांडरों के कार्यालय और अन्य भूमिगत बुनियादी ढांचे स्थित हैं। हमास का यह ठिकाना घनी आबादी के बीच स्थित है।

पैसे कमाने का लालच देकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। यूट्यूब वीडियो को लाईक व सबस्क्राइब कर जल्द पैसे कमाने का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एसटीएफ की साईबर क्राइम पुलिस द्वारा गैंग के दो सदस्यों को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक भूटानी व एक तिब्बती नागरिक शामिल है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते दिनों साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को एक शिकायत मिली थी। जिसमें अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल से शिकायतकर्ता के मोबाइल पर मैसेज कर स्वंय को रंकों टेक्नोलॉजीस (इंडिया) से बताकर टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर लिंक भेजकर यू-ट्युब और इंस्टाग्राम पर फॉलो व सबस्क्राईब करने आदि सम्बन्धी टास्क देकर लाभ कमाने के नाम पर भिन्न-भिन्न तिथियों में भिन्न भिन्न खातो में लेन देन के माध्यम से ऑनलाईन कुल 22,89,260 रुपये ठग लिये गये थे। मामले में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, तथा आरोपियों द्वारा शिकायतकर्ता से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से आरोपियों द्वारा शिकायतकर्ता को जो खाता संख्या व मोबाईल नम्बर दिये थे व धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि फर्जी आईडी पर खोले गये बैक खातो में प्राप्त की गयी थी उक्त खातों के खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी व उक्त खाते

❑ठगों के तार भूटान व तिब्बत से जुड़े

का खाताधारक के सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित करते हुये मुकदमें में एक तिब्बती नागरिक तेन्जिंग चोफेल पुत्र लोपसांग तेन्जिंग हाल निवासी मजनू का टीला, न्यू अरुणानगर थाना तिमारपुर दिल्ली तथा एक भूटानी नागरिक ललिता थापा पुत्री ज्ञान बाहदुर थापा निवासी मजनू का टीला, न्यू अरुणानगर थाना तिमारपुर दिल्ली को तिमारपुर दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त 1 मोबाईल फोन मय 3 सिम कार्ड भी बरामद किये गये है।

आरोपियों द्वारा नामी गिरामी कम्पनियों की फर्जी वैबसाईट बनाकर आम जनता से वट्सएप, ई-मेल, दूरभाष व अन्य सोशल साईटों के माध्यम से सम्पर्क कर स्वयं को विभिन्न नामी-गिरामी कम्पनियों के एचआर व कर्मचारी बताकर ऑनलाईन टास्क कर रुपये कमाने का प्रलोभन देकर जॉब ऑफर कर लिंक भेजकर टेलीग्राम एप डाउनलोड करवाकर व अपने टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया जाता था। तत्पशचात सिग्नल एप के माध्यम से विभिन्न यू ट्यूब वीडियो लाईक एवं सब्स्क्राईब करने के टास्क देते है तथा उसमें निवेश कर अधिक लाभ कमाने का लालच देकर धोखाधड़ी से भिन्न-भिन्न लेन देन के माध्यम से धनराशि प्राप्त की जाती थी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत में बैठे ऐसे विदेशी मूल के नागरिकों द्वारा भारत से बाहर फर्जी सिम कार्ड भेजे जाते है जिनसे पूरे देश भर में साईबर ठगी की जा रही है।

मोटरसाईकिलों की भिडंत में दो घायल

देहरादून (सं)। दो मोटरसाईकिलों की भिडंत में दो लोग घायल हो गये जिनको चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिस्सरवाला निवासी दीपक पाण्डेय ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने मित्र सुशील चंद तिवारी के साथ अपनी मोटरसाईकिल से मिल रोड पर जा रहा था जब वह अर्बन बैंक के पास पहुंचे तभी सामने से आ रहे एक मोटरसाईकिल सवार ने उनकी मोटरसाईकिल को जोर के टक्कर मार दी जिससे वह व उसका मित्र गम्भीर रूप से घायल हो गये। जबकि मोटरसाईकिल सवार वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मच्छी बाजार निवासी सत्पाल सिंह ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अम्बेडकर स्टेडियम ओएनजीसी में मेला देखने के लिए गया था। उसने अपनी स्कूटी स्टेडियम के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मौसम का बदला मिजाज बारिश बर्फबारी का अलर्ट

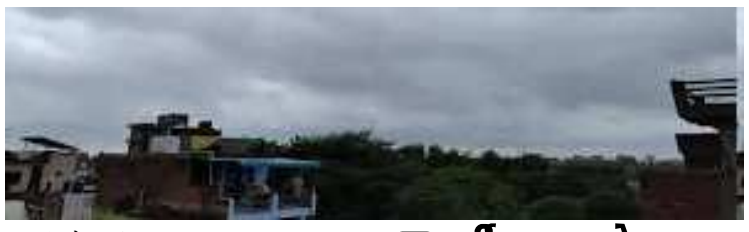

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में मौसम ने एक बार फिर पलटी मारी है। मौसम विभाग द्वारा आगामी चौबीस घंटों के लिए राज्य के आठ जिलों में बारिश बर्फबारी और तेज आंधी तूफान की सम्भावना बताते येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के निदेशक डा. विक्रम सिंह का कहना है कि राजधानी दून सहित राज्य के आठ जिलों में आगामी 24 घंटों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है तथा ऊचांई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी को सकती है। जिन जिलों में मौसम खराब होने की संभावना है उसमें उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ और देहरादून शामिल हैं। आज सुबह से ही राजधानी दून सहित अन्य क्षेत्रों में भी बादल छाये हुए हैं तथा कुछ स्थानों पर हल्की बारिश भी हो रही है। जिसके कारण तापमान में गिरावट आई है। खास तौर राज्य के ऊचांई वाले क्षेत्रों में सर्दी का प्रकोप बढ गया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग तथा चमोली और पिथौरागढ के कुछ ऊंचाई वाले हिस्सों में बर्फबारी होने की संभावना जताई गयी

❑सर्दी का प्रकोप बढा, सावधानी की चेतावनी

और यात्रियों से सावधानी बरतने को कहा गया है। राजधानी दून तथा आसपास के क्षेत्रों में देर शाम तक बारिश होने की संभावना है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।